

---

# Shri Sharadadevi Stotram

श्रीशारदादेवीस्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : Shri Sharadadevi Stotram

File name : shAradAdevIstotram1.itx

Category : deities\_misc, gurudev, rAmakRiShNa, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Author : Swami Abhedananda

Proofread by : Aruna Narayanan

Description-comments : rAmakRiShNastotramALA, stavanAnjali

Acknowledge-Permission: Ramakrishna Shivananda Mission, Varasat

Latest update : June 12, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Sharadadevi Stotram

---

### श्रीशारदादेवीस्तोत्रम्

---



(अथ श्रीमत्याः शारदादेव्याः स्तोत्रं प्रारभ्यते)

प्रकृतिं परमामभयां वरदां

नररूपधरां जनतापहराम् ।

शरणागत सेवकतोषकरीं

प्रणमामि परां जननीं जगताम् ॥ १ ॥

गुणालीनसुतानपराधयुतान्

कृपयाऽद्य समुद्धर मोहगतान् ।

तरणीं भवसागरपारकरीं

प्रणमामि परां जननीं जगताम् ॥ २ ॥

विषयं कुसुमं परिहृत्य सदा

चरणाभ्युत्थामृत शान्तिसुधाम् ।

पिब भृङ्गमनो भवरोगहरां

प्रणमामि परां जननीं जगताम् ॥ ३ ॥

कृपां कुरु मलादेवि सुतेषु प्रणतेषु च ।

चरणाश्रय दानेन कृपामयि नमोऽस्तुते ॥ ४ ॥

लज्जापटावृते नित्यं शारदे ज्ञानदायिके ।

पापेभ्यो नः सदा रक्ष कृपामयि नमोऽस्तुते ॥ ५ ॥

रामकृष्णगत प्राणां तन्नामश्रवणप्रियाम् ।

तद्भावरञ्जिताकारां प्रणमामि मुहुर्मुहुः ॥ ६ ॥

पवित्रं चरितं यस्याः पवित्रं ज्वनं तथा

पवित्रता स्वरूपिण्यै तस्यै कुर्मो नमो नमः ॥ ७ ॥

देवीं प्रसन्नां प्रणतार्तिहन्त्रीं, योगीन्द्रपूज्यां युगधर्मपात्रीम् ।

तां शारदां भक्तिविज्ञानदात्रीं, दयास्वरूपां प्रणमामि नित्यम् ॥ ८ ॥

स्नेडेन बभ्रासि मनोऽस्मदीयं, द्रोषानशेषान् सगुणी करोषि ।  
अडेतुना नो दयसे सदोषान्, स्वाङ्के गृहीत्वा यद्विदं विचित्रम् ॥ ८ ॥  
प्रसीद मातर्विनयेन याये, नित्यं भव स्नेहवती सुतोषु ।  
प्रेमैकबिन्दुं चिरदग्धयित्ते, विषिज्य यित्तं कुरु नः सुशान्तम् ॥ १० ॥  
जननीं शारदां देवीं रामकृष्णं जगद्गुरुम् ।  
पादपद्मे तयोः श्रित्वा प्रणामामि मुहुर्मुहुः ॥ ११ ॥  
इति श्रीमत् अभेदानन्दस्वामिनाविरचितं  
“श्रीमत्याः शारदादेव्याः स्तोत्रम्” सम्पूर्णात् ।

Proofread by Aruna Narayanan

---

—  
*Shri Sharadadevi Stotram*

pdf was typeset on June 12, 2023

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

